TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

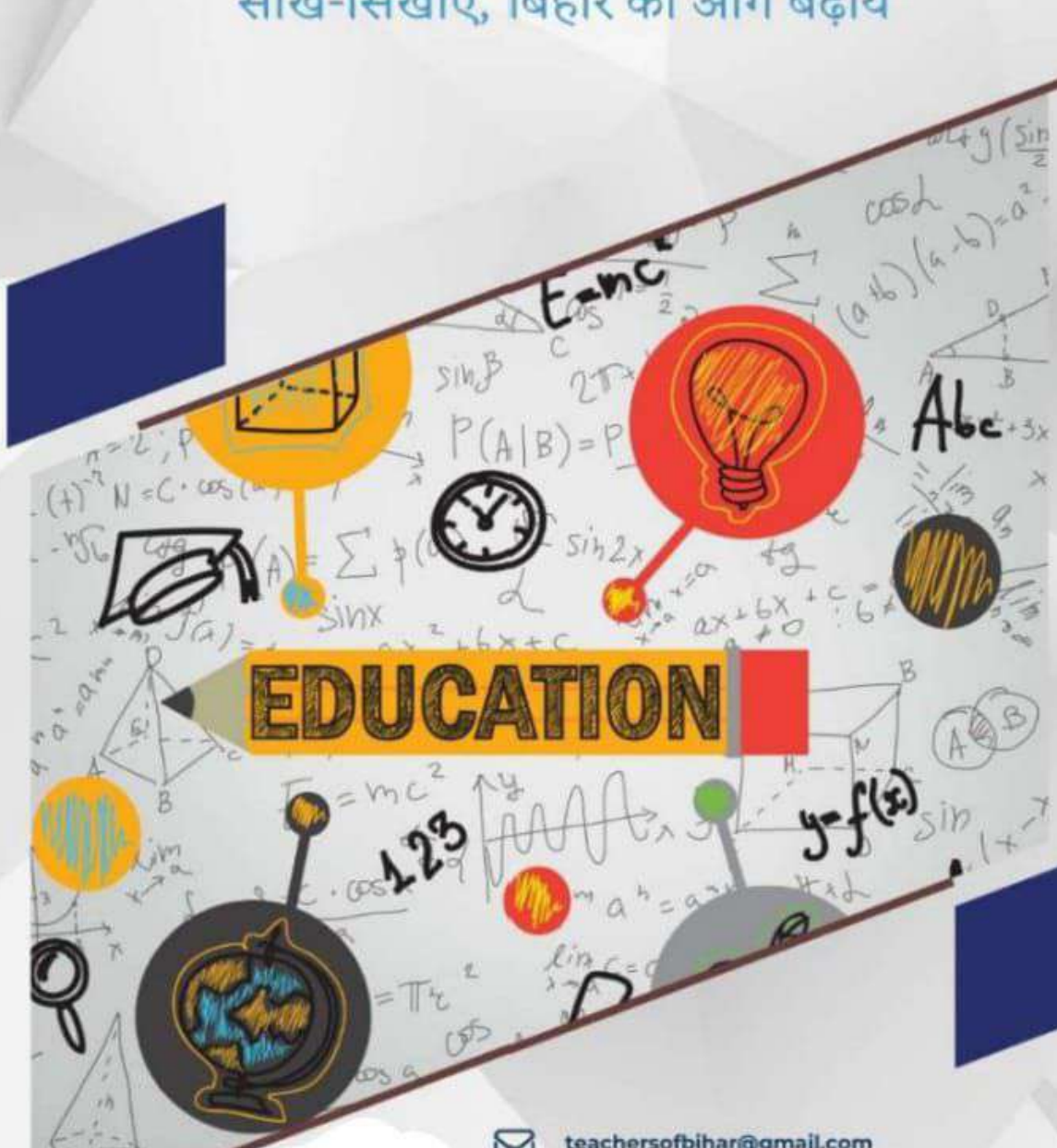

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

https://www.facebook.com/teachersofbihar

https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar

www.teachersofbihar.org

पुण्यतिथि विशेष

27 फरवरी 2026

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

प्रतिदिन अपने खुद के कीर्तिमान तोड़ो, क्योंकि

सफलता आपकी अपने आप से एक लड़ाई है।

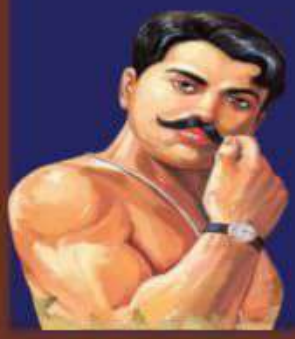

चंद्रशेखर आजाद

(क्रांतिकारी)

जन्म : 23 जुलाई 1906 मृत्यु : 27 फरवरी 1931

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The change makers

दिवस विशेष

27 फरवरी

मधु प्रिया

चंद्रशेखर आजाद शहीद दिवस 27 फरवरी

स्वतंत्रता संग्राम के महानायक चंद्रशेखर आजाद का जन्म 23 जुलाई, 1906 को मध्यप्रदेश के झाबुआ जिले के भाबरा नामक स्थान पर हुआ। उनका जन्मस्थान भाबरा अब 'आजादनगर' के रूप में जाना जाता है। उनके पिता का नाम पंडित सीताराम तिवारी एवं माता का नाम जगदानी देवी था। उनके पिता ईमानदार, स्वाभिमानी, साहसी और वचन के पक्के थे। यही गुण चंद्रशेखर को अपने पिता से विरासत में मिले थे।।रामप्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में आजाद ने काकोरी षड्यंत्र (1925) में सक्रिय भाग लिया और पुलिस की आंखों में धूल झोंककर फरार हो गए। 17 दिसंबर, 1928 को चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह और राजगुरु ने शाम के समय लाहौर में पुलिस अधीक्षक के दफ्तर को घेर लिया और ज्यों ही जे.पी. साण्डर्स अपने अंगरक्षक के साथ मोटर साइकिल पर बैठकर निकले तो राजगुरु ने पहली गोली दाग दी, जो साण्डर्स के माथे पर लग गई वह मोटरसाइकिल से नीचे गिर पड़ा। फिर भगत सिंह ने आगे बढ़कर 4-6 गोलियां दाग कर उसे बिल्कुल ठंडा कर दिया। जब साण्डर्स के अंगरक्षक ने उनका पीछा किया, तो चंद्रशेखर आजाद ने अपनी गोली से उसे भी समाप्त कर दिया।इतना ना ही नहीं लाहौर में जगह-जगह परचे चिपका दिए गए, जिन पर लिखा था- लाला लाजपतराय की मृत्यु का बदला ले लिया गया है। उनके इस कदम को समस्त भारत के क्रांतिकारियों खूब सराहा गया। अलफ्रेड पार्क, इलाहाबाद में 1931 में उन्होंने रूस की बोल्शेविक क्रांति की तर्ज पर समाजवादी क्रांति का आह्वान किया। उन्होंने संकल्प किया था कि वे न कभी पकड़े जाएंगे और न ब्रिटिश सरकार उन्हें फांसी दे सकेगी। इसी संकल्प को पूरा करने के लिए उन्होंने 27 फरवरी, 1931 को इसी पार्क में स्वयं को गोली मारकर मातृभूमि के लिए प्राणों की आहुति दे दी। ऐसे वीर क्रांतिकारी, लोकप्रिय चंद्रशेखर आजाद के अमूल्य योगदान को भारतवासी कभी भी भूला नहीं सकते।

पुण्यतिथि विशेष 27 फरवरी

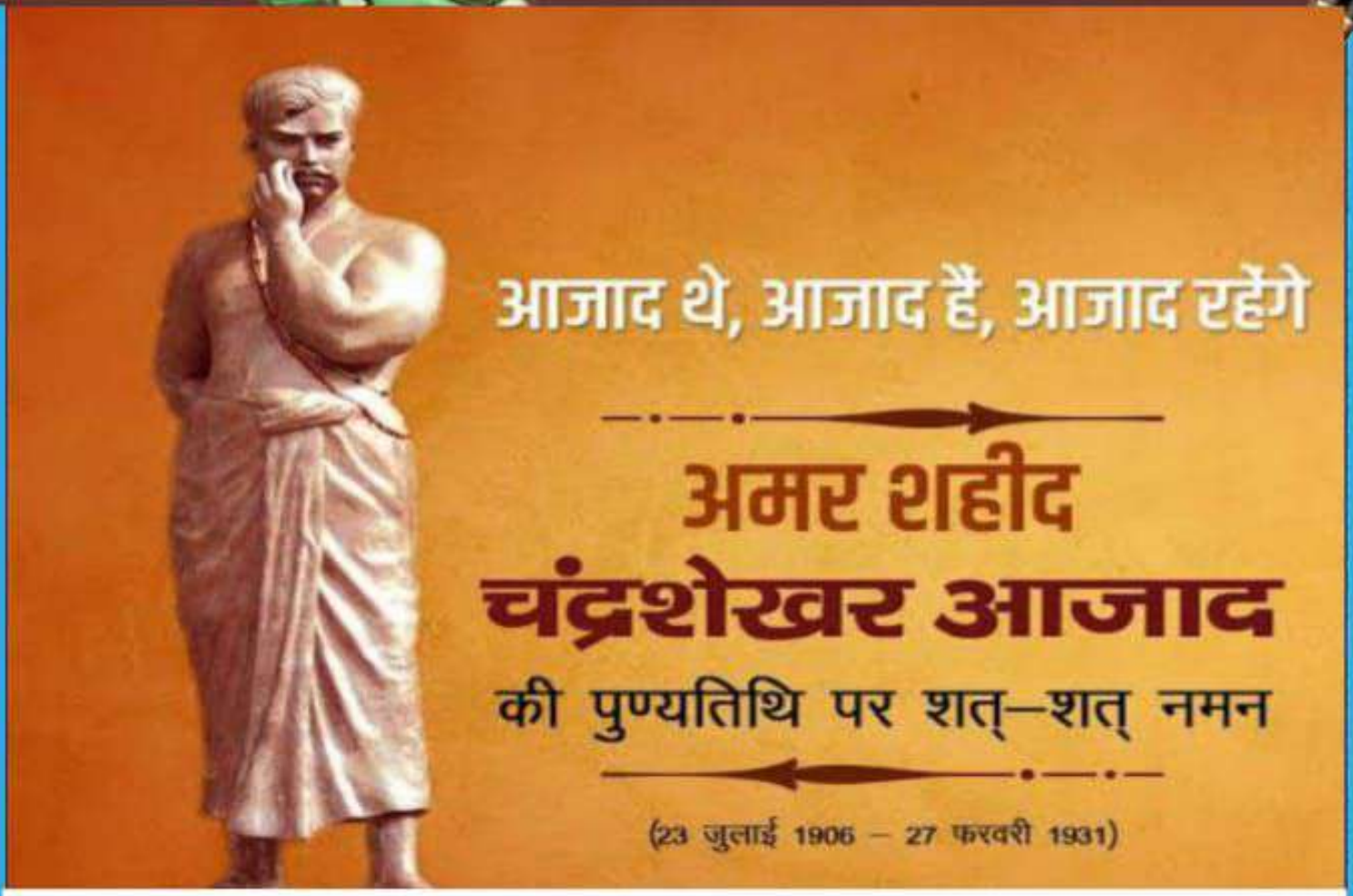

पंडित चंद्रशेखर आज़ाद *Pt. Chandrashekhar Azad*, जन्म- 23 जुलाई, 1906; मृत्यु- 27 फ़रवरी, 1931) भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रसिद्ध क्रांतिकारी थे। 17 वर्ष के चंद्रशेखर आज़ाद क्रांतिकारी दल 'हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन' में सम्मिलित हो गए। दल में उनका नाम 'क्विक सिल्वर' (पारा) तय पाया गया। पार्टी की ओर से धन एकत्र करने के लिए जितने भी कार्य हुए, चंद्रशेखर उन सबमें आगे रहे।

टी20 वर्ल्ड कप के किसी मैच में सबसे ज्यादा छक्के

छक्के	मैच	जगह	साल
31	वेस्टइंडीज vs जिम्बॉब्वे	मुंबई	2026
30	आयरलैंड vs नीदरलैंड	सिलहट	2014
25	इंग्लैंड vs इटली	कोलकाता	2026
24	ऑस्ट्रेलिया vs भारत	ग्रॉस इसलेट	2024
24	ऑस्ट्रेलिया vs भारत	ब्रिजटाउन	2010

टी-20 वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज से सबसे तेज फिफ्टी

बैटर्स	गेंद	बनाम	कहां	साल
शिमरोन हेटमायर	19	सा. अफ्रीका	मुंबई	2026
क्रिस गेल	23	ऑस्ट्रेलिया	कोलंबो	2012

अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी
शैक्षणिक सत्र
2025 – 26

थीम

31 मई	पढेंगे, बढ़ेंगे और सीखेंगे हम
28 जून	उपस्थिति और सरकारी योजनाएं
26 जुलाई	व्यावसायिक कौशल और स्वास्थ्य, स्वच्छता व पोषण
30 अगस्त	खेलो और सीखो
27 सितंबर	निपुण बनेगा बिहार हमारा
29 नवंबर	हर बच्चा होगा अब स्कूल का हिस्सा
24 दिसम्बर	हरेक बच्चा श्रेष्ठ बच्चा
31 जनवरी	हम और आप मिल कर करेंगे बच्चों का समग्र विकास
28 फरवरी	परीक्षा की तैयारी हमारी जिम्मेदारी

राकेश कुमार

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द **27.02.2026**

भाषाई संस्कृति

भाषाई संस्कृति का अर्थ है भाषा और संस्कृति का वह गहरा, अविभाज्य संबंध, जहाँ भाषा संस्कृति का वाहक बनती है और संस्कृति, भाषा को अर्थ देती है। यह एक समुदाय के विश्वासों, परंपराओं, मूल्यों और बातचीत के तरीकों को व्यक्त करती है। भाषा के माध्यम से ही पीढ़ी दर पीढ़ी ज्ञान, लोककथाएँ और रीति-रिवाज हस्तांतरित होते हैं।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

सड़क हमेशा काली (Black) क्यों?

क्योंकि डामर को सेट होने के लिए गर्मी चाहिए! काला रंग धूप सोखकर डामर को हल्का पिघलाता है, जिससे गिट्टी आपस में 'फेविकोल' की तरह चिपक जाती है। यह सस्ता और सेल्फ-हीलिंग है!

राकेश कुमार

पद्य पंकज

"

मैं सागर से भी गहरा हूं,
तुम कितने कंकड़ फेकोगे,
चुन चुन कर आगे बढ़ूंगा मैं,
तुम मुझको अब तक रोकोगे!

हरिवंशराय बच्चन

www.padyapankaj.teachersofbihar.org

Madhu priya

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

Teachers Of Bihar Presents

Smiling Faces Of Bihar

प्राथमिक विद्यालय दवनपुर
भगवानपुर, कैमूर

www.teachersofbihar.org

MRITUNJAY KUMAR

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

Teachers Of Bihar Presents

Smiling Faces Of Bihar

प्राथमिक विद्यालय पार्षद टोला मजगामा कसबा पूर्णिया

www.teachersofbihar.org

MRITUNJAY KUMAR

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

Teachers Of Bihar Presents

Smiling Faces Of Bihar

मध्य विद्यालय पताही बालिका

मुशहरी, मुजफ्फरपुर

www.teachersofbihar.org

MRITUNJAY KUMAR

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

Teachers Of Bihar Presents

Smiling Faces Of Bihar

उत्क्रमित मध्य विद्यालय नारायणपुर
बिक्रम,पटना

www.teachersofbihar.org

MRITUNJAY KUMAR

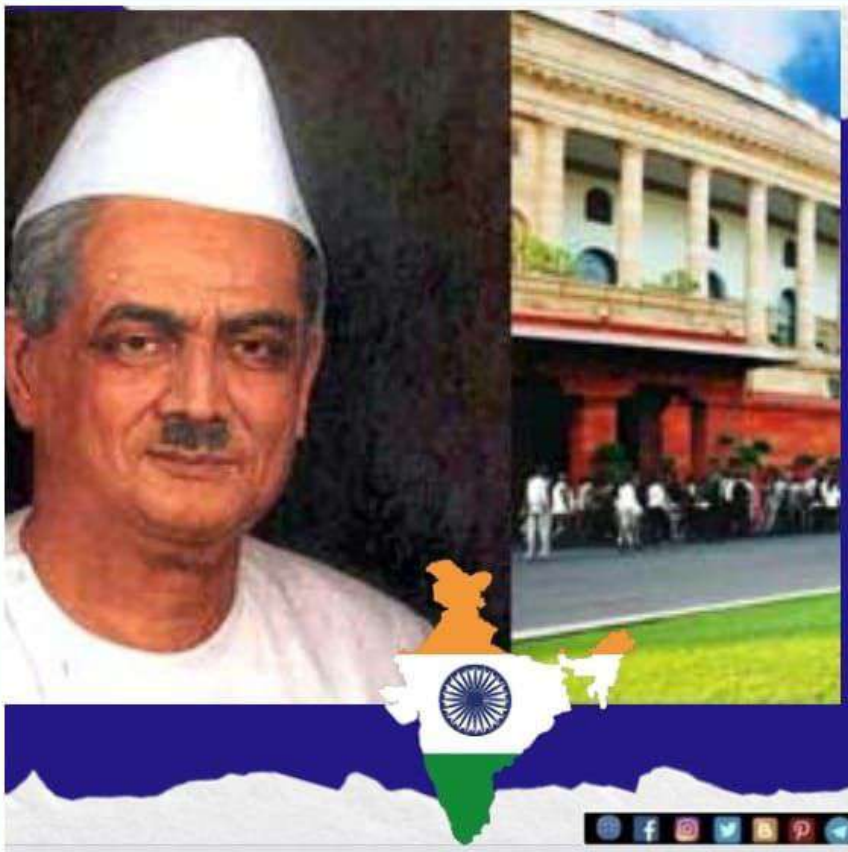

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी एवं भारत
की स्वाधीनता के पश्चात लोकसभा
के प्रथम अध्यक्ष
गणेश वासुदेव मावलंकर
जी की पुण्यतिथि पर नमन।
जन्म -27 नवम्बर 1888
मृत्यु - 27 फरवरी 1956
/teachersofbihar
Madhu priya

पुण्यतिथि विशेष

27 फरवरी 2026

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

मेरा नाम आजाद है, मेरे पिता का नाम स्वतंत्रता
और मेरा घर जेल है।

- चन्द्रशेखर आजाद

(क्रांतिकारी)

(23 जुलाई 1906 - 27 फरवरी 1931)

Vishwa Vijay Singh

www.teachersofbihar.org